माला दे | by Sunil Kaushik

प्रभु भक्ति में लीन थे हनुमत प्रभु के दास
माला लेकर आ गई माँ सीता उनके पास
जाप करो इस माला से कहने लगी यूँ जानकी
बोले हनुमत माँ मेरे ये माला नहीं है काम की

तू माला दे तू माला दे मेरे श्री राम की माला
भरी भक्ति ना हो जिसमे, मेरे किस काम की माला
तू माला दे .....

दीवाना हूँ मैं रघुवर का मुझे श्री राम प्यारे हैं
मैं नाचू राम की भक्ति में हर दम होके मतवाला
तू माला दे .....

हो सोने की या मणियों की मुझे क्या काम माला से
बसी सूरत मेरे दिल में चीर सीना दिखा डाला
तू माला दे .....

मेरे हर रोम में रमता राम का नाम प्यारा है
मैं हर दम पीता रहता हूँ, प्रभु श्री राम का प्याला
तू माला दे .....

भजन भक्ति से जो प्रभु राम का गुणगान करता है
सुनील कौशिक भी तू गा ले वही प्रभु भजन की माला
तू माला दे .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%87-by-sunil-kaushik/